

# प्रश्न 1. प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए ।

- (1) सुबह होते ही क्या-क्या होता है?
- सुबह होते ही चिड़ियाँ चहचहाती हैं। किलयाँ खिलने लगती है। खुशबू की लहरें फूलों से निकलकर चारों ओर फैल जाती हैं।
- (2) मैदानों में हरियाली कब लहराती है?
- > मैदानों में हरियाली वर्षाऋतु में लहराती है।

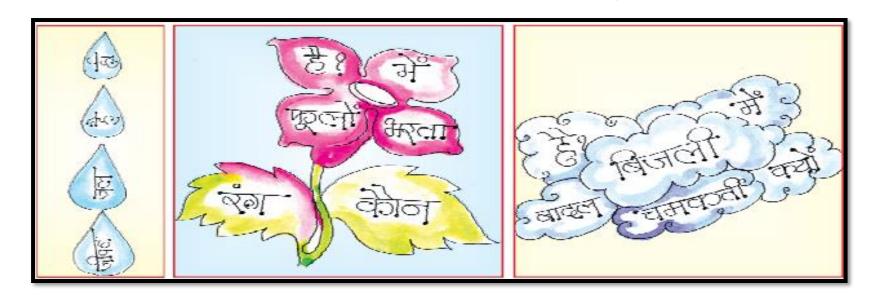


कितयाँ खिल रही हैं। लोग अपने-अपने काम में लग रहे हैं। पाठशाला जानेवाले विद्यार्थी घर से निकल पड़े हैं। दूधवाला घर-घर दूध और अखबारवाला घर-घर अखबार पहुंचा रहा है।

# 2. चित्र को देखिए और वचन परिवर्तन कीजिए:

The second second	चिड़िया उड़ रही है।	THE THE THE	चिड़ियाँ उड़ रही है।
	कली नहीं खिली है।		कलियाँ नहीं खिली है।
	बूँद गिरती है।	666	बुँदे गिरती है।
	दरवाजा खुला है।		दरवाजे खुले हैं।
	लड़की खेल रही है।		लड़िकयाँ खेल रही हैं।





#### उत्तर:

- (1) जल ही जीवन है।
- (2) फूलों में रंग कौन भरता है?
- (3) बादल में बिजली क्यों चमकती है?

प्रश्न 4. सबसे तेज कौन? सात-सात छात्रो को टोली बनाइए और अपने नाम के पहले वर्ण के अनुसार शब्दकोश के क्रम के मुताबिक खड़ा रहने को किहए । (1) रमेश, अशोक, विपुल, साहिल, राकेश, मुकुल, मयंक > अशोक, मयंक, मुक्ल, रमेश, राकेश, विप्ल, साहिल (2) खेमचंद, चंपक, गोपाल, तनस्ख, अन्राग, जयेश, कमल > अन्राग, कमल, खेमचंद, गोपाल, चंपक, जयेश, तनस्ख



स्वाध्याय

# 1.प्रश्नो के उत्तर लिखिए:

- (1) चिड़ियाँ खुशी के गीत कब गाती है?
- > चिड़ियाँ बहुत सबेरे खुशी के गीत गाती हैं।
- (2) सुबह होने पर प्रकृति में कैसे बदलाव आते है?
- सुबह होने पर आकाश में तारे छिप जाते हैं। रात का अंधेरा दूर होने लगता है। पूर्व दिशा में सूर्योदय के पहले लाली छा जाती है। पंछी चहचहाने लगते हैं। कलियाँ खिलने लगती हैं। फूलों की सुगंध हवा में फैलने लगती है। इस प्रकार सोई हुई प्रकृति जाग उठती है और वातावरण में ताजगी का अनुभव होता है।

# (3) पृथ्वी पर हरियाली कब छा जाती है?

वर्षाऋतु में धरती को पानी मिलता है। वीरान पड़ी धरती पर घास उगती है। सूखे पौधे हरे हो उठते हैं। पेड़ों को नया जीवन मिलता है। उनके हरे पत्तों की शोभा बढ़ती है। इस प्रकार वर्षाऋतु में पृथ्वी पर हरियाली छा जाती है।.

# (4) हरियाली कहाँ-कहां दिखाई देती है?

वर्षाऋतु आने पर मैदान में हरी घास उग आती है। खेतों में हरी फसलें लहलहाती हैं। हरे-भरे पेड़-पौधे झूम उठते हैं। बार्गों और जंगलों में भी हरियाली की बहार छा जाती है। सूखे पर्वत हरे हो जाते हैं। इस प्रकार वर्षाऋतु में धरती पर जहाँ देखो वहाँ हरियाली दिखाई देती है। 2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

(1) कलियां दरवाजे खोल खोल

जब दुनिया पर मुसकाती हैं।

सुबह होने पर कितयाँ भी जैसे नींद से जाग उठती हैं। उनकी बंद पंखुड़ियाँ खुलने लगती हैं। वे मानो सोनेवालों पर मुसकाती हैं और कहती हैं कि हमारी तरह तुम भी हँसो मुस्काओ। आलस और उदासी को दूर भगाकर काममें लग जाओ।

(2) जब छम छम बूदें गिरती है,

बिजली चम चमकर जाती है।

वर्षाऋतु में बादल बरसने लगते हैं। तब पानी की बूँदें छम-छम की आवाज करती हैं। ऐसा लगता है जैसे वे नृत्य कर रही हो। उस समय बिजली भी चमकती है। ऐसा लगता है जैसे बूंदों का नृत्य देखकर आकाश का चेहरा खुशी से चमक उठता है।



(1) सुबह (2) खुशी (3) खुशब् (4) बहुत (5) मुसकाना (1) खुशी – आनंद

उदाहरण : सुबह - प्रात:कॉल वाक्य : प्रात:काल देवालय में पूजा होती है।

आ	नं	द	्रज्य ६	ल
सु	क	स	का	त
गं	ना	त:	a	न
ध	Я	श्व	ज्या	दा

- > आज सैर में बड़ा आनंद आया।
- (2) खुशबू सुगंध
- > मुझे गुलाब की स्गंध अच्छी लगती है।
- (3) बह्त ज्यादा
- > आज ठंड ज्यादा है।
- (4) म्सकाना हँसना
- > जोकर को देखकर हँसना आता है।

4. इन यात्रियों को शब्दकोश के क्रम के आधार पर अपने अपने डिब्बे में बैठाइए ।

